भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2000

दिनांक 11.12.2025 को उत्तर के लिए नियत

आंध्र प्रदेश में केवीआईसी

2000. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आंध्र प्रदेश सें वर्तमान वर्ष के दौरान विभिन्न केवीआईसी योजनाओं के अंतर्गत पंजीकृत और प्रशिक्षित खादी एवं ग्रामीण कारीगरों की संख्या कितनी है और जारी की गई निधि कितनी है तथा उत्पादन परिणामों का ब्यौरा क्या है;

(ख) आंध्र प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और खादी इकाईयों पर "वोकल फॉर लोकल" पहल का क्या प्रभाव पड़ा है और इससे कितना रोज़गार का सृजन हुआ है तथा ग्रामीण या तटीय जिलों में सीमित लाभ के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का आंध्र प्रदेश में खादी, हथकरघा, केयर और एमएसएमई उत्पादों के संवर्धन के लिए 2025 के बाद के समर्पित "स्वदेशी जोन" या मेले जैसे उपाय शुरू करने का विचार है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी समय-सीमा क्या है तथा कार्यान्वयन के लिए प्रदान की गई केंद्रीय सहायता कितनी है तथा आंध्र प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के साथ समन्वय का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): खादी और ग्रामोद्योग विकास योजना (केजीवीवाई), एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है जिसका कार्यान्वयन खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र के विकास के लिए किया जाता है जिसमें दो घटक अर्थात खादी विकास योजना (केवीवाई) और ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) शामिल हैं।

खादी विकास योजना (केवीवाई) के अंतर्गत, आंध्र प्रदेश में 8368 की संख्या (संचयी) में खादी कारीगर संलग्न हैं। आंध्र प्रदेश में केवीवाई के अंतर्गत चालू वर्ष अर्थात वर्ष 2025-26 (दिनांक 31.10.2025 तक) के दौरान कुल 3.80 करोड़ रुपये की निधि प्रदान की गई है।

ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) के अंतर्गत, 500 कारीगर लाभान्वित हुए हैं और आंध्र प्रदेश में चालू वर्ष अर्थात वर्ष 2025-26 (दिनांक 31.10.2025 तक) के दौरान कुल 1.11 करोड़ रुपये की निधि प्रदान की गई है।

केवीआईसी से उपलब्ध सूचना के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में आंध्र प्रदेश में खादी और ग्रामोद्योग का उत्पादन 5038.14 करोड़ रु. (अनंतिम) था।

(ख): केवीआईसी ने दिनांक 2 अक्टूबर से दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक "वोकल फॉर लोकल" की भावना से कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिनमें जनता और युवाओं को शामिल करने और संवेदनशील बनाने के लिए खादी महोत्सव, खादी यात्राएं, विशेष बिक्री अभियान, प्रदर्शनियां, स्वदेशी जागरूकता अभियान और शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न क्रियाकलाप शामिल हैं। इन पहलों ने खादी के संवर्धन और स्वदेशी/मेक इन इंडिया आंदोलन के सुदृढ़ीकरण के द्वारा युवाओं, आम जनता और अन्य हितधारकों के बीच सकारात्मक प्रभाव डाला है।

इसके अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों में संचालित खादी संस्थान (केआई) ग्रामीण रोजगार सृजन में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। श्रीकाकुलम जिले में चार केआई और पूर्वी गोदावरी जिले में पांच केआई क्रियाशील हैं और ग्रामीण कारीगरों को स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

(ग) एवं (घ): आंध्र प्रदेश में कोई विशिष्ट 'स्वदेशी क्षेत्र' या मेले प्रस्तावित नहीं किए गए हैं। तथापि, केवीआईसी ने आंध्र प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड (ऐपीकेवीआईबी) के साथ समन्वय में, आंध्र प्रदेश के प्रमुख स्थानों पर राज्य-स्तरीय प्रदर्शनियों और अन्य प्रदर्शनियों का आयोजन करके खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों को बढ़ावा देना जारी रखा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, केवीआईसी द्वारा आंध्र प्रदेश में दिनांक 31.10.2025 तक 30 प्रदर्शनियाँ आयोजित की गई हैं।

****